वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 125 | गुरुवार 29 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल बागडे ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

शिक्षा से वंचित ना रहे, कोई भी बच्चा: राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा ही प्रगति का मूल आधार है। इसे ध्यान रखते हुए प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि घुमन्तू और भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उन्हें, स्कूलों तक पहुंचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। बेटियों को सुरक्षित वातावरण मिले, यह सुनिश्चित किया जाए।

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि 14 वर्ष तक कोई भी बालक-बालिका शिक्षा से वंचित नहीं रहे, इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाए। राज्यपाल ने बुधवार को बीकानेर के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा ही प्रगति का मूल आधार है। इसे ध्यान रखते हुए प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि घुमन्तू और भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उन्हें, स्कूलों तक पहुंचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। बेटियों को सुरक्षित वातावरण मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। केंद्र और राज्य सरकार प्रवर्तित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए राज्यपाल बागडे ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को मिले, इसके लिए अधिकारी अतिरिक्त संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। प्रत्येक पात्र किसान सब्सिडी और अन्य योजनाओं के तहत पंजीकृत हो। राज्यपाल ने कहा कि मनरेगा में व्यक्तिगत लाभ के कामों के साथ सार्वजनिक लाभ के कार्य भी हों। अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं। स्कूलों में चारदीवारी, शौचालय निर्माण के साथ यहां की स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप अन्य कार्य स्वीकृत किए जाएं। बागडे ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आवास प्लस योजना, प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजना, सांसद और विधायक निधि के तहत स्वीकृत कार्य समय पर पूरे हों। इन कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

सीमा के आसपास के क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ें

राज्यपाल ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति की जानकारी ली और कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी यातायात व्यवस्था सुगम हो, इसके लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में पुरानी हो चुकी सड़कों के मरम्मत का कार्य नियमित हों। सीमांत क्षेत्र के आस-पास के इलाके राज्य व राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ें, इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर भिजवाए जाएं। सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास के लिए विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे कि वहां के निवासी स्वयं को समावेशी अनुभव करें। जल जीवन मिशन की प्रगति समीक्षा करते हुए बागडे ने कहा कि यह केंद्र सरकार का अत्यंत महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। हर घर तक पर्याप्त पेयजल सुचारू रूप से पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के लिए बकाया रहे गांवों में प्रस्तावित कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित तिथि तक काम पूरा कर लिया जाए।

बड़े गांवों के सीवरेज और ड्रैनेज सिस्टम तैयार हों

राज्यपाल ने कहा कि जिले के बड़े गांवों में आवश्यकतानुसार सीवरेज और ड्रैनेज सिस्टम बनाने के प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भिजवाएं। घर-घर कचरा संग्रहण से खाद निर्माण जैसे कार्य प्रारम्भ हों, जिला परिषद इस पर विशेष ध्यान दें। बैठक में ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज, सौर ऊर्जा, खनन, पशुपालन सहित अन्य विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। राज्यपाल ने कहा कि इस रेगिस्तानी क्षेत्र में पानी की कमी को देखते हुए वर्षा जल संचयन और संग्रहण पर काम हो, संबंधित विभाग इसके लिए स्थानीय लोगों को भागीदार बनाते हुए कार्य करे। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (जलग्रहण घटक) के चयनित गांवों में वर्षा जल संरक्षण के काम माडल रूप में हों, जिससे अन्य लोगों को भी इस के लिए प्रेरणा मिले। राज्यपाल ने पाक विस्थापितों को नियमानुसार नागरिकता, मतदान का अधिकार सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाने के निर्देश दिए।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । भगवान श्री कृष्ण का जन्म दिवस जन्माष्टमी पर्व सोमवार को बड़े ही श्रद्धा, व उल्लास के साथ मनाया गया। कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर नगर में दो-तीन दिन पूर्व ही तैयारियां प्रारंभ कर दी गई थी। सोमवार को जन्माष्टमी के अवसर पर मन्दिरों की गैलेरी व प्रांगण में भगवान श्री कृष्ण के जीवन चरित्र से सम्बंधित विभिन्न झांकियां सजाई गई। जन्माष्टमी का समारोह मुख्य बाजार स्थित भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर में आयोजित हुआ। जन्माष्टमी पर्व पर श्रद्धालुओं की भीड को देखते हुए पुलिस की ओर से अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया ! मंदिरो को फूलों से सजाकर आकर्षित लाइटिंग की गई। जन्मोत्सव के समय मन्दिरों में पंजीरी का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को वितरित किया गया। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने व्रत व उपवास आदि रखा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से पुर्व रविवार को भगवान श्रीकृष्ण व राधा की पोशाको व सौन्दर्य सामग्री व झुलो की बिक्री जोरों पर रही।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में इन्वर्टर भेट किया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। सबकी सेवा सबको प्यार जीवो और जीने दो के उद्देश्य वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल कुचामन वीरा धरा द्वारा आज दिनांक 28/8/2024 को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय ,नगर परिषद के पास मे बिजली कटौती से असुविधा व शिक्षा कार्यो मे प्रगती एवं सुविधा हेतु राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त शिक्षिका वीरा सुनीता जैन मोहीत निकिता गगंवाल परिवार द्वारा सीबीईओ जगदीश राय कुचामन , सुरज प्रकाश एओ, वीर दिनेश लाडना, लक्ष्मण शर्मा, मंजू चौधरी, भंवरलाल बनिया एव ब्लॉक कुचामन के समस्त पीईईओ के सानिध्य मे ,बैटरी एवं इन्वर्टर मशीन भेंट की इस अवसर अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, सचिव वीर अजित कुमार पहाड़िया कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन , वीर नदकिशौर , वीरा विजयकोर बिडसर वीर वीर संदीप पाडंया ,वीर सोहनलाल, वीरा शारदा वर्मा की उपस्थित रहे बलाक कार्यालय मे संस्था सदस्यौ का स्वागत सम्मान किया गया ।सीबीईओ जगदीश राय ने महावीर इंटरनेशनल संस्था द्वारा समय-समय पर शिक्षा के प्रगति हेतु सहयौग हेतु संस्था के प्रति साधुवाद किया। वीर सुभाष पहाड़िया ने सभी के प्रति घन्यवाद ज्ञापित किया।

जनकपुरी ज्योतिनगर प्रीमियम लीग के पोस्टर का हुआ विमोचन

31 अगस्त व 1 सितंबर को होंगे क्रिकेट मैच

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन युवा मंच द्वारा आयोजित की जाने वाली जनकपुरी - ज्योतिनगर प्रीमियम लीग (जे जे पी एल) 2024 के पोस्टर का विमोचन बुधवार को तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के अर्घ्य बोलते हुए समर्पित कर किया गया ।इस अवसर पर मंत्री प्रतीक जैन , उपाध्यक्ष नीरज जैन सहित प्रबंध समिति के पदाधिकारी व समाज के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही। मंच के अध्यक्ष अमित शाह ने बताया कि ARL - JJPL लीग के मेच इस शनिवार व रविवार को होंगे। कार्यक्रम में पंद्रह टीम के एक सो बीस से अधिक सदस्यों की सहभागिता रहेगी ।कार्यक्रम का उद्घाटन शनिवार को शाम चार बजे होगा ।कार्यक्रम मन्दिर जी के पास खाली जमीन पर बहुत ही व्यवस्थित तरीके से आयोजित किया जाएगा ।

खुशनुमा माहौल में रूपान ने बिखेरे रागों के कई रूप

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रुति मंडल एवं कला संस्कृति विभाग द्वारा महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित श्रुति मंडल के स्थापना दिवस समारोह के दूसरे व अंतिम दिन प्रख्यात गायिका पद्म भूषण स्व. गिरिजा देवी की शिष्या देहरादून से पधारी रूपान सरकार ने खुशनुमा माहौल में शास्त्रीय रागों के कई रंग अपनी सुरीली और पुरकशिश आवाज में बिखेरे। कलाकार रूपान सरकार ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत ,राग मेघ में बड़ा ख्याल एक ताल विलंबित और द्रुत तीन ताल से की ।उसके बाद राग यमन कल्याण में टप ख्याल झम झमके वालानी,फिर माज खमाज मैं एक ठुमरी अब के सावन घर आ, उसके बाद दादर भीजी जाऊं में पिया, फिर कजरी घेरी आई रे कारी बदरिया, इसके बाद झुला देखु सांवरे के संग गोरी झुलेली हिंडोला, एक भजन एक दिन मुरली श्याम बजाए अन्त में राग भैरवी दादर में चलरे परदेसिया सुना कर लोगों को आनंद के हिलोरे दिलाकर मंत्र मुग्ध किया। यह कार्यक्रम दो दिवसीय कार्यक्रम शहनाई के सशक्त हस्ताक्षर स्व. बिस्मिल्लाह खां साहब को समर्पिणत रहा। कार्यक्रम का संचालन संगीता गुप्ता ने किया चंद्रप्रकाश सुराणा और उपाध्यक्ष प्राचीर सुराणा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जीव में भारीपन कर्मों के कारण बढ़ता है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में धर्मसभा का आयोजन

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। जीवन वर्तमान है लेकिन वर्तमान भूतकाल से बना हुआ है और भविष्य की यह नींव है। भविष्य इसी से बनता है। बुधवार को एमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार की प्रवचन धर्मसभा में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज ने श्रध्दांलुओ को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए फरमाया भारतीय दर्शन एक स्वतंत्र तत्व को स्वीकार करता है, जिसमें पास्ट और फ्यूचर समाहित है। उन्होंने कहा भारीपन का अर्थ है जो भारी होता है, वह नीचे की ओर जाता है। भारीपन असंतुलित व अव्यवस्थित दिनचर्या से आता है। इस कारण शरीर प्रोपर मूवमेंट नहीं करता और कई बीमारियां घेर लेती है। मोटापा हर एक के लिए समस्या बना हुआ है। हम यदि खान-पान पर नियंत्रण कर लें तो भारीपन नहीं बढ़ता।उन्होंने कहा उसी तरह जीव में भारीपन कर्मों के कारण बढ़ता है। हमारी कुछ वृत्तियां हमारे जीव को भारी बना देती है। किसी जीव को कष्ट देने से हमारा जीव भारी बन जाता है। औरों के प्रति कठोरता के कारण व्यक्ति प्राणातिपात यानी हिंसा में संलिप्त होता है। एक विचारधारा होनी चाहिए कि जीव हिंसा के बिना हम अपना पेट भर सकते हैं। हमने शरीर की सेंसिविटी को नाजुक बना दिया है। एक बात ध्यान रखें कि खाना महत्वपूर्ण नहीं है, पचाना महत्वपूर्ण है। जहां- जहां जीव हिंसा है, वहां जीव भारी बनता है। धर्म वह होता है जो गिरते हुए जीव को धारण कर लेता है। पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व में अधिक से अधिक तप त्याग और धर्म आराधना करें। महासती अणिमाश्री जी ने कहा कि संस्कार व्यक्ति के चरित्र निर्माण में सहायक होते हैं। जब संस्कार बिगड़ जाते हैं तो बच्चे माता-पिता का आदर करना भूल जाते हैं और तिरस्कार करने लग जाता हैं। बच्चों को सही संस्कार नहीं देंगे तो बच्चों का भविष्य अंधकारमय बन सकता है। इस दौरान जैन धर्म के पांच सिद्धांतों पर आधारित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ताराचंद गेलड़ा स्कूल की छात्रा सूर्यावती द्वितीय स्थान पर जिनेन्द्र और तृतीय स्थान पर मानसी कुमारी रही। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु की ओर से बच्चों को पुरस्कृत किया गया। अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। महासंघ के मंत्री धमीचंद सिंघवी ने बताया कि इस प्रतियोगिता को आयोजित करने में जंवरीलाल भंडारी योगदान रहा। धर्मसभा में पुना, इन्दोर, कोयंबत्तूर, सूरत आदि कई क्षेत्रों के गुरुभक्तो ने युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए।

ज्ञान के बिना संसार से छुटकारा नहीं मिल सकता और न लौकिक उत्थान ही हो सकता है : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने बुधवार दिनांक 28.08.2024 को षोडश कारण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि, ज्ञान के बिना संसार से छुटकारा नहीं मिल सकता और न लौकिक उत्थान ही हो सकता है। अतः निरंतर अभ्यास से ज्ञानोपयोग बढ़ाना चाहिऐ स्व और पर की पहचान हो जाने पर, भेद-विज्ञान होने पर ही मनुष्य संसार से छुटकारा पा सकता है और स्व-पर की पहचान होती है ज्ञान से अतः ज्ञान ही मनुष्य को कर्मजाल से छुड़ाने में समर्थ है। ज्ञान-प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहना, उधर ही मनोयोग लगाना 'अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोग'कहलाता है। जहां ज्ञान है वहां मुक्ति है, स्वर्ग है, सब कुछ है, अच्छे बुरे का विवेक है ज्ञान के अभाव में व्यक्ति पंचेन्द्रिय विषयों में रचता पचता है, सांसारिक आपाधापी, चिंता, लोभ लालच में दुःखी है। अज्ञान में साधना करने पर कोई फल प्राप्त नहीं होता, अतः आत्म ज्ञान के लिए सही गलत का निर्णय करें, क्रोधादि कषायों में वृत्ति नहीं करें अर्हंत भगवान के प्रति शुभ राग वृत्ति बनी रहे। अपने को जानने के लिए आवश्यक है कि मनुष्य ज्ञान प्राप्त करें। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रवचन से पूर्व दीप प्रज्वलन अजित जैन तोतूका एवं सहयोगियों ने, मंगलाचरण महावीर प्रसाद बाकलीवाल ने एवं शास्त्र भेंट श्रीमती सीमा बाकलीवाल एवं मंजू छाबड़ा ने किया। संयोजक कमल छाबड़ा डॉ वन्दना जैन ने बताया कि षोडश कारण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे मुनिश्री के प्रवचन सायंकाल 7 बजे आरती आनंद यात्रा तथा रात्रि 8:00 बजे से पंडित अजित जैन ₹आचार्य₹ के द्वारा तत्व चर्चा की जा रही है।

वेद ज्ञान

मेरा कुछ भी नहीं

मनुष्य में जो कुछ भी शक्ति है, वह उसकी अपनी नहीं है। यह बात याद रखनी चाहिए कि मेरा कुछ भी नहीं है। जब मनुष्य के मन में यह भावना उठती है कि मेरी शक्ति से नहीं, उन्हीं की शक्ति से सब कुछ हो रहा है, तब उनमें अनंत शक्ति आ जाती है। आप लोग इस दुनिया में आए हैं। इसलिए आपको बहुत कुछ करना है। वस्तुतः दुनिया में जो कुछ भी होता है, उसके पीछे एषणा वृत्ति काम करती है। एषणा है इच्छा को कार्य रूप देने का प्रयास। जहां इच्छा है और इच्छा के अनुसार काम करने की चेष्टा है, उसे कहते हैं एषणा। दुनिया में जो कुछ भी है, एषणा से ही है। परमात्मा की एषणा से दुनिया की उत्पत्ति हुई है। जब परमपुरुष की एषणा और मनुष्य की व्यक्तिगत एषणा एक साथ काम करती है तो उस स्थिति में कर्म में मनुष्य सिद्धि पाते हैं, किंतु वे सोचते हैं कि मेरी कर्मसिद्धि हुई है। कर्मसिद्धि कुछ नहीं हुई है। परमपुरुष की एषणा की पूर्ति हुई है। वह जैसा चाहते हैं, वैसा हुआ। आपकी ख्वाहिश भी वैसी थी। इसलिए आपके मन में भावना आई कि मेरी इच्छा की पूर्ति हो गई है। आपकी इच्छा की पूर्ति नहीं होती है। उनकी इच्छा की पूर्ति होती है। वे अपनी इच्छा के अनुसार काम करते हैं, किंतु मनुष्य के मन में आनंद तब होता है, जब मनुष्य यह जान लेता है कि उनकी इच्छा की पूर्ति हो गई। इसलिए बुद्धिमान मनुष्य इस संदर्भ में क्या करते हैं? वे सोचते हैं कि परमात्मा की इच्छा इसमें क्या है। उसी इच्छा को मैं अपनी इच्छा भी बना लूं। वे देखते हैं कि परमात्मा की जो एषणा है उसके पीछे कौन सी वृत्ति है? वह है इस दुनिया का कल्याण हो। कल्याण हो यही है परमात्मा की एषणा। इसलिए शास्त्र में परमात्मा का एक नाम कल्याणसुंदरम भी है। परमात्मा सुंदर क्यों हैं? चूंकि उनमें कल्याण वृत्ति है। इसलिए वे सुंदर हैं। परमात्मा हर जीव की नजर में सुंदर हैं, क्योंकि वे कल्याणसुंदरम हैं। साधक केवल अपने आगे बढ़ेंगे और दुनिया के और व्यक्ति पीछे रह जाएंगे। यह मनोभाव साधक का नहीं है। इसलिए कहा जाता है कि साधना का अन्यतम अंग है तप। तप माने अपने स्वार्थ की ओर नहीं ताकना। ताकना है समाज के हित की ओर। सामूहिक कल्याण की भावना जहां है, व्यक्तिगत कल्याण उसमें हो या न हो, उसी का नाम है तप। तप का सर्वोत्तम उपाय जनसेवा है।

संपादकीय

क्या किसी भी उम्र की लड़कियां या महिलाएं सुरक्षित हैं?

देश में बार-बार कोलकाता कांड की खबरें सुर्खियों में आ-जा रही हैं। डॉक्टरों और युवाओं की नाराजगी का दौर थम नहीं रहा है। एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ अस्पताल में हुई बर्बरता का गहरा साया नौजवानों को सता रहा है। आक्रोश इस तरह फूटा है कि सर्वोच्च न्यायालय को भी खुद संज्ञान लेकर निर्देश जारी करने पड़े हैं। समाचार-पत्रों में बलात्कार, यौन उत्पीड़न की घटनाओं की प्रचुरता हो गई है। असम में 14 वर्षीय लड़की का गैंगरेप,

बदलापुर (महाराष्ट्र) में अबोध बच्चियों का त्रासद प्रकरण, अन्य स्थान पर 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला से बलात्कार और स्पेनिश पर्यटक का छत्तीसगढ़ में गैंगरेप। उधर, हेमा रिपोर्ट के बाद केरल के फिल्म उद्योग में महिला कलाकारों के शोषण का मामला सुर्खियां बटोर रहा है। ये सब घटनाएं सोचने को मजबूर करती हैं कि क्या किसी भी उम्र की लड़कियां या महिलाएं सुरक्षित हैं? स्कूल, सड़क, बस, अस्पताल, यहां तक कि कई बार अपने घर में भी क्या महिलाएं सुरक्षित हैं? क्या हमारा अमृत काल आधी आबादी, यानी महिलाओं की सुरक्षा के बिना साकार हो सकता है? भौतिक, आर्थिक व औद्योगिक विकास तो सामाजिक विकास या सुरक्षा के बिना अधूरा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, प्रत्येक 16 मिनट में देश में एक बलात्कार होता है और प्रत्येक घंटे महिलाओं के विरुद्ध 50 अपराध होते हैं। प्रत्येक दिन देश में 86 बलात्कार रिपोर्ट होते हैं। यह भी कहा जाता है कि सभी अपराधों में बलात्कार सबसे कम रिपोर्ट होता है और 63 प्रतिशत बलात्कार तो दर्ज ही नहीं होते। 10 प्रतिशत बलात्कार अवयस्क, यानी 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों के साथ होते हैं और 89 प्रतिशत मामलों में बलात्कारी जान-पहचान का व्यक्ति होता है। यह बिंदु भी विचारणीय है कि बलात्कार के आंकड़ों में वे प्रकरण सम्मिलित नहीं हैं, जिनमें बलात्कार का प्रयास होता है या बलात्कार के उपरांत हत्या की जाती है। मतलब, महिला विरोधी कुल अपराधों की संख्या बहुत ज्यादा है। ये केवल आंकड़े नहीं हैं। प्रत्येक आंकड़े के पीछे एक बच्ची या महिला का पूरा जीवन है और उसका परिवार है। बहुत आक्रोश जताने के कुछ ही समय बाद शोषण की शिकार महिला को लोग भूल जाते हैं। अनेक पीड़िताएं मनोवैज्ञानिक रूप से पंगु हो जाती हैं। एक ही तो जीवन है, जो हमेशा के लिए बोझ बन जाता है। परिवार की त्रासदी भी असहनीय हो जाती है। निर्भया मामले के बाद शासन ने बालिकाओं के लिए बहुत प्रयास किए हैं शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन के प्रयास, गुड टच या बेड टच, चाइल्ड हेल्पलाइन, वूमेन पावर लाइन, चौबीस घंटे चलने वाले सहायक कॉल सेंटर, महिला हेल्प डेस्क, महिला थाना, पिंक बूथ, जनपद स्तर पर महिला व बाल सुरक्षा संबंधित प्रकोष्ठ इत्यादि के बावजूद बलात्कार व यौन उत्पीड़न के वाकये सुरसा के मुख की तरह बढ़ते जा रहे हैं और उनकी जघन्यता भी। इसलिए आवश्यक है कि बलात्कार क्यों होते हैं, इस पर भी विचार किया जाए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

ऋण बढ़ाया जाएगा...

भारतीय रिजर्व बैंक एक प्रायोगिक परियोजना के बाद आने वाले समय में देशव्यापी स्तर पर एक नया यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस अथवा यूएलआई जारी करने की तैयारी कर रहा है। इस प्लेटफॉर्म की मदद से अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में ऋण बढ़ाया जाएगा, खासकर कृषि और सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) क्षेत्र में। एक बार क्रियान्वयन होने के बाद इसमें इतनी क्षमता है कि यह ऋण क्षेत्र के परिदृश्य को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई की तरह बदलकर रख दे। यूपीआई से डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया। हाल ही में ''डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐंड इमर्जिंग टेक्नॉलॉजीज'' विषय पर आयोजित आरबीआई@90 ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस बात को रेखांकित किया कि यूएलआई प्लेटफॉर्म विभिन्न डेटा सेवा प्रदाताओं से कर्जदाताओं तक डिजिटल सूचना का अबाध और सहमति आधारित प्रवाह सुनिश्चित करेगा। ध्यान देने वाली बात है कि यूएलआई ढांचा विभिन्न स्रोतों से हासिल सूचनाओं तक डिजिटल पहुंच सुनिश्चित करेगा। इससे कर्जदाताओं को संभावित कर्जदारों की ऋण पात्रता के बारे में सही सूचना मिल सकेगी। यह उम्मीद भी है कि ऋण मंजूरी और वितरण में लगने वाले समय में कमी आएगी। ऋण की अबाध आपूर्ति और बिना गहन दस्तावेजीकरण के सहजता से काम होने से कर्जदारों और कर्जदाताओं दोनों को लाभ होगा। शासन की गुणवत्ता में सुधार करने की एक कोशिश में भारत ने अपनी डिजिटल सार्वजनिक अधोसंरचना (डीपीआई) का सही उपयोग किया है। इसमें जनधन खाते, आधार और मोबाइल फोन के साथ यूपीआई भी शामिल है। यूएलआई देश में डीपीआई के सफर में सबसे नया हिस्सेदार बनने को तैयार है। छोटी कंपनियों द्वारा निजी निवेश को बढ़ाने तथा आम घरेलू खपत को गति देने के लिए भारत को एक विकसित ऋण बाजार की आवश्यकता है। बीते सालों के दौरान ऋण की मांग में निरंतर इजाफा हुआ है। उदाहरण के लिए 2021 और 2022 को मिलाकर देखें तो न्यू टु क्रेडिट (एनटीसी यानी नया ऋण लेने वाले) लोगों की संख्या 6.6 करोड़ रही। इसमें से 67 फीसदी लोग ग्रामीण और अर्द्धशहरी इलाकों से थे। इसके बावजूद आम परिवारों और एमएसएमई को ऋण की उपलब्धता सीमित बनी रही। ऋण की मांग और आपूर्ति में लगातार अंतर बना रहा है। इसके पीछे कई वजह हो सकती हैं, मसलन कर्जदारों का ऋण जोखिम प्रोफाइल, जोखिम आकलन के लिए अपर्याप्त आंकड़े, सेवा की ऊंची लागत, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां लोग निजी खपत के लिए कम मूल्य का कर्ज लेते हैं। ईवाई द्वारा गत वर्ष जारी एक रिपोर्ट में दिखाया गया कि देश में एमएसएमई ऋण की पहुंच, खुदरा ऋण की पहुंच और क्रेडिट कार्ड की पहुंच क्रमशः 14 फीसदी, 11 फीसदी और चार फीसदी है। इस संबंध में यूएलआई कर्जदाताओं को उपभोक्ताओं के तमाम वित्तीय और गैर वित्तीय आंकड़े मुहैया कराएगा और डिजिटल ढंग से कर्ज देना संभव होगा। पूरी तरह पारंपरिक ऋण और आय वक्तव्यों पर विचार करने के बजाय कर्जदाताओं को अतिरिक्त आंकड़ों और उन्नत एलगोरिद्म तक पहुंच कराई जाएगी जिससे जोखिम का आकलन किया जा सके।

मुनिश्री समत्व सागर जी महाराज का 10वां दीक्षा समारोह आज

भक्तिभाव से हुई श्रीकल्याण मंदिर विधान संगीतमय आरती

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विषुद्ध सागर के परम प्रभावक षिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज का 10वां दीक्षा समारोह गुरुवार को सुबह 8.15 बजे से टोंक रोड स्थित कीर्ति नगर जैन मंदिर में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर कई धार्मिक आयोजन होंगे। इससे पूर्व बुधवार को कल्याण मंदिर विधान साजों के बीच हुआ। इस दौरान मंदिर प्रांगण भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण जैन व महामंत्री जगदीश चन्द जैन, प्रचार प्रसार मंत्री आषीष बैद ने बताया कि दीक्षा समारोह के तहत सुबह 8.15 बजक मुनिश्री के प्रवचन होंगे। इसीदिन दोपहर में 1बजे से 10वां दीक्षा समारोह मनाया जाएगा। इस मौके पर दीप प्रज्जवलन,चित्र अनावरण,पाद प्रच्छालन के बाद दोपहर 1.30 बजे से महिला मंडल द्वारा मुनिश्री के जीवन पर प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद मंगलाचरण, दोपहर 2.15 बजे गुरु पूजा व आचार्यश्री पूजन के बाद प्रवचन होंगे। इस मौके पर अंशुल जैन 'अंश' गढ़ाकोटा की संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। इस मौके पर कापफी संख्या में श्रद्धालुगण मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व बुधवार को नित्य नियम पूजा के बाद साजों के बीच श्री कल्याण मंदिर विधान हुआ। इस दौरान भजनों की स्वर लहरियों से वातावरण भक्ति ओर आस्था के रंग में डूब गया। इसके बाद मुनिश्री के प्रवचन व साम को संगीतमय आरती के बाद बड़े पर्दे पर बॉलीवुड मूवी वीर गोमटेष दिखाई गई। मूवी का निर्देषन कवि हृदय विकर्ष जैन शास्त्री सलेहा ने किया। वीर गोमटेष के इतिहास की उत्कृष्टता को दषार्ती यह मूवी सभी को पसंद आई।

भगवान महावीर के 2550 वे निर्माण वर्ष पर अहिंसा विचार संगोष्ठी संपन्न

राष्ट्रीय जैन युवा संसद पोस्टर का विमोचन

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। भगवान महावीर स्वामी के 2550 वें निर्माण वर्ष के अवसर पर भारतीय जैन मिलन चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता के बाद अब विचार गोष्ठी जैन मिलन सुभाष नगर शाखा द्वारा श्री बडकुल जैन मंदिर में मुनि श्री 108 मेघदतसागर जी एवं मुनिश्री इन्द्र दत सागर जी महराज के सन्निध्य में संपन्न हुई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्टीय मंत्री अतिवीर एड.कमलेन्द.जैन एवं शाखा अध्यक्ष वीर विमल जैन की अध्यक्षता की महावीर वंदना के साथ गोष्टी प्रारंभ की गई। गोष्ठी में अनेक वक्ताओं युवाओं ने भगवान महावीर के जियो और जीने दो सर्वोदय अहिंसा के संदेशों और वर्तमान में भगवान महावीर की आवश्यकता विषय अपने विचार रखें। गोष्ठी में महिला- पुरुष के साथ युवाओं ने भी अपनी आवश्यकता है अगर व्यक्ति भगवान महावीर के जियो और जीने दो के संदेश को जीवन में उतारकर अपने का प्रयास करें तो हम भाईचारा बनाकर अहिंसा शांति का संदेश विश्व को दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान 20 सितम्बर को आयोजित होने वाले जैन संसद के पोस्टर का विमोचन मुनि श्री के सन्निध्य में किया गया, राष्टीय मंत्री श्री कमलेन्द.जी ने अपने विचारो के माध्यम से सभी को जैन संसद का महत्व समझाया कि हमारे जैन समाज में युवा वर्ग में इसकी कितनी आवश्यकता है, जिसको सही दिशा मिलने की जरूर है अगर हम जैन युवा संसद के मंच से युवाओं को जोड़ने का प्रयास करेंगे तुम अपनी बात समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा सकते हैं एवं उसे व्यक्ति की सही से सहायता कर सकते है, आप सभी का सहयोग ही इस कार्यक्रम की सफलता हैं। अहिंसा विचार संगोष्ठी के क्षेत्रीय संयोजक प्रमोद जैन भाईजी, मनीष विद्यार्थी प्रेस विज्ञप्ति में बताया की जैन मिलन क्षेत्र 10 सभी शाखों में विचार गोष्ठी का आयोजन होगा और भगवान महावीर के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास रहेगा।

जैन पर्व अनुशीलन राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न

जैन पर्व विशुद्धि के लिए होते हैं, ये हमें जोड़ना सिखाते हैं : श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज

कोटा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज, मुनि श्री सहजसागर जी महाराज, मुनि श्री अप्रमित सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री श्रेयससागर जी के सान्निध्य में डॉ श्रेयांस कुमार जी जैन बड़ौत के निर्देशन व पंडित विनोद कुमारजी जैन रजवांस के संयोजन में ऋद्धि-सिद्धी नगर कोटा राजस्थान में 24 से 26 अगस्त 2024 तक जैन पर्व अनुशीलन राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का त्रिदिवसीय आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी में तीन दिनों में छह सत्रों का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, प्रोफेसर अशोक कुमार जैन वाराणसी, डॉ शीतल चन्द्र जैन जयपुर, प्रोफेसर श्रीयांस सिंघई जयपुर, ब्र. धर्मेंद्र भैया छतरपुर, डॉ श्रेयांस कुमार जैन ने की तथा सत्र संचालन पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस, डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर,डॉ आशीष शास्त्री बम्होरी, डॉ अशीष आचार्य सागर, डॉ पंकज जैन इंदौर, पंडित विनोद कुमार जैन ने किया।

तीन दिनों में इस संगोष्ठी में डॉ श्रेयांस कुमार जैन बडौत, डॉ शीतल चंद्र जैन जयपुर, ब्र. जय कुमार निशांत टीकमगढ़, डॉ नरेंद्र कुमार जैन टीकमगढ़, प्रोफेसर श्रीयांस सिंघई जयपुर, प्रोफेसर अशोक कुमार जैन वाराणसी , पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस, ब्र. विनोद भैया छतरपुर, डॉ ज्योति जैन खतौली, डॉ. ब्र. धर्मेंद्र भैया जयपुर, प्रोफेसर अनेकांत कुमार जैन दिल्ली, डॉ ज्योति बाबू जैन उदयपुर,डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर, डॉ पंकज जैन इंदौर, डॉ आशीष जैन आचार्य सागर, डॉ आशीष जैन शिक्षाचार्य दमोह, डॉ आशीष शास्त्री बम्होरी, डॉ बाहुबली जैन इंदौर, डॉ सोनल कुमार जैन दिल्ली,डॉ सुमत जैन उदयपुर, पंडित अंकित जैन मड़देवरा, पंडित वीरेंद्र जैन मारवाड़ा कोटा ने दसलक्षण महापर्व, अष्टान्हिका पर्व, अष्टमी चतुर्दशी पर्व , रक्षाबंधन पर्व, होली पर्व, दशहरा, महावीर जयंती, अक्षय तृतीया, चातुर्मास एवं पर्व की विशिष्टता आदि विषयों पर अपने शोधालेख प्रस्तुत किए। जिनमें अनेक तथ्य निकलकर आए, कई नई बातें, नई खोज सामने आईं।

आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर मे 40 बुजुर्गों की जांच कर दवाइयां वितरित की गई

डडूका. शाबाश इंडिया

राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय डडूका मे एक दिवसीय जरावस्था आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर मे 40 वरिष्ठ नागरिकों की बी पी, शुगर तथा अन्य रोगों की जांच कर निशुल्क परामर्श एवं दवाइया वितरित की गई। प्रारंभ में चिकित्सा प्रभारी डा. जसवंत सिंह भाबोर ने ग्रामीणों एवम अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन मे डा चिंतन दवे ने वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थय जांच कर उचित परामर्श दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच रेखा महवाई, मणिलाल सूत्रधार, सुंदरलाल पटेल वासुदेव मेहता एवं अजीत कोठिया गवर्निंग काउंसिल सदस्य महावीर इंटरनेशनल ने भगवान धन्वंतरि की तस्वीर सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण द्वारा किया। शिविर का अवलोकन आयुर्वेद चिकित्सा विभाग के उपनिदेशक डा. पीयूष जोशी, नवागांव के चिकित्साधिकारी डॉ. नवीन उपाध्याय ने किया। महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा चिकित्सको चिंतन दवे, जसवंत सिंह भाबोर, कमला शंकर ताबियार, पार्वती डामोर,योग शिक्षको खुशाल सिंह चौहान, दीपिका सुथार का माल्यार्पण द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, अध्यक्ष सुंदरलाल पटेल, उपाध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी,संरक्षक मणिलाल सूत्रधार, विष्णु प्रसाद रावल, ललिता शंकर जोशी, राजेन्द्र महवाई, विनोद पटेल, विजयपाल गहलोततथा कई ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। संचालन डा जसकरण सिंह भाबोर ने किया, आभार कमलाशंकर ताबियार ने व्यक्त किया।

सम्मेद शिखरजी 600 यात्रियों का पहला दल रवाना, दूसरा दल आज रवाना होगा

पारसनाथ भगवान के जयकारों की गूंज

टोंक. शाबाश इंडिया

महातीर्थ क्षेत्र सम्मेद शिखरजी (झारखंड) के लिए श्री दिगंबर जैन नसिया से 600 यात्रियों का पहला दल बुधवार को प्रातः 9 बजे आदिनाथ भगवान के समक्ष अखंड ज्योति एवं बालाचार्य निपूर्णनंदी जी महाराज के ससंघ का आशीर्वाद, गाजे बाजे के साथ,पारसनाथ भगवान के जयकारों के साथ रवाना हुआ जबकि दूसरा दल 550 यात्रियों का आज रवाना होगा । इस मौके पर समाज के अध्यक्ष भागचंद फूलेता,टोंक जिला प्रमुख सरोज नरेश बंसल, पूर्व सभापति लक्ष्मी देवी जैन, बेनी प्रसाद जैन, समाज मंत्री राजेश सर्राफ, वषायोग समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया, मंत्री धर्मेंद्रपासरोटियां, विमलबरवास, रमेशकाला, लालचंद फुलेता, ज्ञानचंद टोरडी, अंकुर पाटनी समाज के पदाधिकारी सभी यात्रियों को माला एवं तिलक लगाकर और पारसनाथ भगवान के जयकारों के साथ यात्रियों को रवाना किया मंगलमय एवं सकुशल यात्रा की शुभकामनाएं दी। जैन धर्म के अंदर सम्मेद शिखर को शाश्वत तीर्थ क्षेत्र कहा गया है सभी तीर्थंकरों की इसको मोक्ष स्थली माना जाता है इस काल में इस पर्वत से 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष प्राप्त किया है इस पर्वत पर भाव सहीत जाने पर व्यक्ति की दुर्गतियों से बचाव होता है हर जेनी का सपना होता है कि वह सम्मेद शिखर की वंदना अपने जीवन काल में अवश्य करें। ''टोंक गौरव यात्रा के'' संदीप देवली व सुनील आडरा ने बताया कि

सभी यात्री निवाई और पदमपुरा महाराज के दर्शन करते हुए मंगलमय आशीर्वाद लेते हुए जयपुर से ट्रेन के द्वारा सम्मेद शिखरजी इसरी पारसनाथ पहुंचेंगे संघ के सुनील बोरदा एवं हुकमचंद ने बताया कि सभी तीर्थयात्री एक साथ सामूहिक रूप से अगस्त 31 अगस्त को 27 किलोमीटर की सिद्ध भूमि सम्मेद शिखर जी की चरण वंदना करेंगे जहां पर पारसनाथ टोंक पर पूजा अर्चना होगी और वही विराजमान साधु-संतों चौके की व्यवस्था की जाएगी सभी यात्री 4 तारीख को वापसी तो पहुंचेंगे।

गोद भराई एवं भव्य विनौली यात्रा निकाली गयी

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। परम पूज्य जिनागम पंथ प्रवर्तक भावलिंगी संत श्रमणाभिंडचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज के मंगल आशीर्वाद से ब्रा.विशु दीदी सहित 12 दीक्षार्थियों की गोद भराई एवं भव्य बिनोली यात्रो भिंड नगर में 27 अगस्त 2024 को मुनि श्री विनय सागर जी महाराज के सानिध्य में निकाली गयी ।कार्यक्रम की जानकारी देते हुए धर्मेंद्र जैन ने बताया कि 27 अगस्त को भिंड से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तहसील मेहगांव के श्री 1008 पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर मै आचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज के परम-शिष्य मेहगांव में विराजमान मुनि श्री विदुब सागर जी महाराज के सानिध्य में प्रातः काल 7 बजे 13 दीक्षार्थियों की गोद भराई तहसील मेहगांव में सम्पन्न हुई। भिंड नगर आगमन पर भिंड सकल जैन समाज ने किया 13 दीक्षार्थियों का भव्य स्वागत बंदन किया एवं लश्कर रोड पर श्री महावीर कीर्ति स्तम्भ जैन मंदिर मै आचार्य श्री विन्रम सागर जी महाराज के परम-शिष्य भिंड में विराजमान मुनि श्री विनय सागर जी महाराज के सानिध्य में प्रातः काल 9 बजे दीक्षार्थियों की भव्य गोद भराई कार्यक्रम सम्पन्न हुआ एवं सायः काल 6 बजे भव्य विनौली यात्रा निकाली गयी जो की महावीर गंज से प्रारम्भ होकर शहर के विभिन्न मार्गो पर होती हुई परेड चोरहा पर सम्पन्न हुई। विनौली यात्रा का जगह जगह गोद भराई एवं स्वागत बंधन अभिनंदन किया गया।

मिशन ग्रीन आई जी एन के तहत वृक्षारोपण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। मिशन ग्रीन आई जी एन के तहत, गोपाल सेवा भाव समिति द्वारा चलाये जा रहे वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत जन्मआष्टमी के शुभ अवसर पर 2 सेक्टर ई डब्लू एस मंदिर पार्क प्रांगण मे कदम्ब का वृक्ष मंत्रोच्चारण के साथ लगाया गया ,वृक्ष की देखभाल हेतु भी संकल्पित किया गया। इस पेड़ को देववृक्ष यानी देवताओं का पेड़ कहा जाता है. कदंब के फूल को भगवान कृष्ण को अर्पित करने से उनकी कृपा मिलती है और घर में सुख-समृद्धि आती है । ऐसा माना जाता है कि कदंब के पेड़ को भगवान कृष्ण और मां लक्ष्मी बहुत पसंद करते हैं। धार्मिक महत्व के अलावा कंदब का पेड़ कई गंभीर बीमारियों के लिए भी रामबाण इलाज है। इस पेड़ के पत्ते के प्रयोग से लीवर स्वस्थ रहता है. इसका अर्क त्वचा रोगों के लिए औषधि का काम करता है। गोपाल सेवा भाव समिति द्वारा जन्माष्टमी का पर्व भी विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर मनाया गया। इस अवसर पर डॉ अशोक दुबे, कपिल पचौरी, मनीष शर्मा, दीपक करदिया, पुनीत जैन, जगदीश, देशबंधु, बृजेश सोनी जी एवं कॉलोनी वासी उपस्थित रहे।

युवा-पीढ़ी को करवाया शास्त्रीय संगीत-ओडिसी नृत्य से रूबरू

जयपुर. शाबाश इंडिया। बुधवार को प्रातः 10:00 बजे महावीर पब्लिक स्कूल, सी- स्कीम, जयपुर के सभागार में युवाओं के बीच लुप्त हो रहे भारतीय शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्कृति मंत्रालय, रोटरी क्लब जयपुर जयपुर किंग्स सिटी एवं महात्मा ज्योति राव फुले विश्वविद्यालय के संस्थापक निर्मल पंवार के सहयोग से भारतीय शास्त्रीय संगीत को पुनर्जीवित करने में प्रयासरत संस्था स्पिक मेके और महावीर पब्लिक स्कूल के हेरिटेज क्लब के तत्वाधान में प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय संगीत ओडिसी नृत्य का आयोजन हुआ। श्री दिगंबर जैन शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष उमराव मल संघी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया एवं विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने मुख्य अतिथि निर्मल पंवार,नेशनल कमिश्नर,भारत स्काउट एंड गाइड, राजस्थान, डॉ.पी.डी. पारीक, फॉर्मर डिप्टी सेक्रेट्री, राजस्थान सरकार, एडवोकेट देवांश बंसल, सीनियर स्टैंडिंग काउंसिल, राजस्थान सरकार, आनंद अग्रवाल अध्यक्ष, रोटरी क्लब

जयपुर किंग्स सिटी, निशा पारीक, प्रोजेक्ट चेयरपर्सन, सुप्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना, शिक्षिका एवं कोरियोग्राफर सुश्री गीतांजलि आचार्य का तिलक लगाकर व माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के आरंभ में संस्था सदस्यों एवं अतिथियों ने भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। नृत्यांगना गीतांजलि आचार्य ने गणेश वंदना से ओडिसी नृत्य का आरंभ किया। उनके नृत्य में भगवान कृष्ण से संबंधित पूतना वध, कालिया नाग के फन पर नृत्य,मुख में ब्रह्मांड दिखाना, बकासुर वध आदि बाल लीलाएं दिखाईं दीं। उन्होंने शिव तांडव, महिषासुर वध, नृसिंह लीला,राधा कृष्ण रास आदि मुद्राएं भी दिखाईं। उन्होंने विद्यालय की छात्राओं को मंच पर बुलाकर ओडिसी नृत्य के गुरु सिखाए। उनकी शानदार नृत्य प्रस्तुति से सभागार तालियों से गूंज उठा। संस्था अध्यक्ष उमराव मल संघी ने सभी अतिथियों एवं ओडिसी नृत्यांगना को धन्यवाद देते हुए कहा कि ''मैंने पहली बार देखा कि कोई कलाकार इतनी आत्मीयता से बच्चों से बात कर रहा है और उन्हें अपने नृत्य के गुर सीखा रहा है।'' मुख्य अतिथि निर्मल पंवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''मैं श्री दिगंबर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय का छात्र रह चुका हूं और मैं आज जो कुछ भी हूं वह सब इसी विद्यालय के उत्तम संस्कारों की देन है।'' उन्होंने संस्था सदस्यों का तहे दिल से आभार व्यक्त किया और कहा कि ''भारतीय शास्त्रीय संगीत को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में श्री दिगंबर जैन शिक्षा परिषद् भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।'' प्रोजेक्ट चेयरपर्सन श्रीमती निशा पारीक ने भी सभी को धन्यवाद दिया। संस्था सदस्यों एवं विद्यालय की प्राचार्या ने कलाकार सुश्री गीतांजलि आचार्य को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

अपनी सभ्यता व संस्कृति को ज़िंदा रखते हैं प्रवासी भारतीय

भारतवासियों ने अमेरिका में जन्माष्टमी पर किया छप्पन भोग का आयोजन

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया
कोटा। भारतवासियों में अपने धर्म व संस्कृति के प्रति अभेद लगाव होता हे वो चाहें विश्व के किसी भी देश में बस जायें परन्तु अपनी आस्था के प्रति कोई समझौता नहीं करते । लायन्स क्लब कोटा सेन्ट्रल की अध्यक्ष मधु ललित बाहेती के पुत्र और बहू अमेरिका के बफेलो में जॉब कर रहे हें सुपुत्र मनीष बाहेती बेंक में डिजिटल प्रोडक्ट एवं पेमेन्ट लीड करते हैं और बहू हर्षिका बाहेती बेंक में फाइनेंशियल प्लानिंग एवं एनालिसिस बिजनेस लाइन फाइनेंस का जॉब करती हैं। अमेरिका में रहने के बाद भी ये अपने कल्चर को नहीं भूले हैं। विदेश में भी इन्होंने अन्य भारतवासियों के साथ मिलकर जन्माष्टमी का त्यौहार धार्मिक रीति रिवाज के साथ मनाया और छप्पन भोग का आयोजन किया सभी भारतवासी भक्ति भाव में इस तरह लीन थे जेसे वे अपने देश में त्यौहार का आनन्द ले रहे हों।

उत्साह से किये काम से मिलती सफलता: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुन्सी. शाबाश इंडिया। श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी राजस्थान की पावन धरा पर चातुर्मासरत प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 गुरूमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में धर्म की महती प्रभावना हो रही है। निरंतर चल रही भक्तामर दीपार्चना, श्री जिनसहस्त्रनाम महार्चना, शांतिमंत्र की आराधना से सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण श्रावकगण धर्म बंकी गंगा में डुबकी लगा रहे है। आज की श्री भक्तामर दीपार्चना कराने का सौभाग्य श्रीमति अनिता छाबडा जयपुर सपरिवार ने प्राप्त किया। साथ ही आज के चातुर्मास संयोजक बनने का सौभाग्य श्रीमति सरिता पाटनी किशनगढ़ सपरिवार ने प्राप्त किया। अतिशयकारी शांतिनाथ भगवान की भक्ति - आरती करने भक्तों का मेला लगा रहता है। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ ट्रस्ट एवं चातुर्मास समिति द्वारा क्षेत्र पर आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। प्रातः कालीन बेला में गुरूमाँ के मुखारविंद से प्रवचनामृत का रसपान करने का सौभाग्य सभी गुरूभक्तों को प्राप्त हुआ। गुरु माँ ने सभी को मंगल उपदेश देते हुए कहा कि - उत्साह एक ऐसा भाव है, जिसकी वजह से व्यक्ति असफल होने के बाद भी निराश नहीं होता है और दोबारा प्रयास करने के लिए तैयार हो जाता है। उत्साह के बिना और आधे-अधूरे मन से किया गया सरल काम भी बहुत मुश्किल हो जाता है। उत्साह बनाए रखना चाहते हैं तो नकारात्मकता से दूर रहना चाहिए।

मिशन हरियाली के तहत पौधा गोद लो अभियान

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। मिशन हरियाली के तहत 6 अगस्त 2020को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी क्लब द्वारा पौधे गोद लो अभियान शुरू किया गया था। जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को दो पौधे गोद लेने थे और उनकी फोटो क्लब को भेजनी थी और पौधे गोद लेने वाले को क्लब द्वारा फ्री में एक स्लिप जारी की गई थी। यदि एक साल बाद गोद लिए दोनों में से एक पौधा भी जिन्दा रहता है तो क्लब द्वारा 15 अगस्त पर लक्की ड्रा द्वारा एक व्यक्ति को एक लाख रुपए का ईनाम घोषित किया गया था। 2 सितंबर 2024 को लक्की ड्रा निकाला जाएगा । जिन लोगों ने भी पौधा गोद लो अभियान के तहत पौधे गोद लिए थे कृपया 31 अगस्त तक पौधों की फोटो और स्लिप क्लब के पास जमा करवाएं ताकि आपका नाम लक्की ड्रा में शामिल किया जा सके।

सुनील कुमार को मिला "महिला समानता काव्य रत्न सम्मान"

लुंबिनी, नेपाल. शाबाश इंडिया

सहारनपुर जिले के प्रसिद्ध कवि तथा लेखक का नेपाल में सम्मान किया गया है। नेपाल के लुंबिनी में आयोजित किए गए एक अंतर राष्ट्रिय स्तर के कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले की शान सुनील कुमार को सम्मानित किया गया है। नेपाल की प्रसिद्ध संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल द्वारा भाषा तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रचनाकारों को एक ऑनलाइन प्रतियोगिता के माध्यम से आज सम्मानित किया गया है। महिला समानता दिवस के मौके पर शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल द्वारा आयोजित किए गए हिंदी दिवस अंतरराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता में सुनील कुमार को महिला समानता काव्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया है। सुनील कुमार सहारनपुर जिले के ख्याति प्राप्त लेखक हैं जिनकी सैकड़ों रचनाएं देश विदेश की विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी है तथा साहित्य के क्षेत्र मे उल्लेखनीय योगदान के लिए अब तक दर्जनों सम्मान मिल चुके हैं। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आनन्द गिरि मायालु कहते हैं - सुनील कुमार की लेखनी में एक विशिष्ट क्षमता है, ऐसे लेखकों से ही असल समाज का निर्माण होता है जो विकास और सकारात्मक परिवर्तन के लिए लिखते हैं। ऐसे विशिष्ट रचनाकारों की पहचान कर राज्य की प्रोत्साहन राशि तथा सम्मान करने की आवश्कता है। आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में नेपाल, भारत, अमेरिका, कनाडा तथा तंजानिया से 178 महिला पुरुष रचनाकारों की सहभागिता थी जिसमें 55 प्रतिभाओं का उत्कृष्ट कविता के आधार पर चयन कर सम्मानित किया गया है। आयोजक संस्था को धन्यवाद देते हुए वरिष्ठ साहित्यकार सुनील कुमार ने कहा - संस्था वर्षो से कवियों, लेखकों तथा साहित्यकारों को विभिन्न तरह से

प्रोत्साहित तथा सम्मानित करती आई है हमारा भाग्य की इतनी बड़ी संस्था द्वारा हमारा चयन किया गया। ऐसे आयोजनों में हम सभी भाषा तथा साहित्य प्रेमियों को बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। संस्था की सचिव चरना कौर कहती हैं - संस्था द्वारा आगामी हिंदी दिवस पर हिंदी दिवस अंतरराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। हमारी संस्था विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालन करती आई है।

स्वर्गीय ठाकुर साहब लोकेन्द्र सिंह कालवी की 68वी जन्मजयंती पर समाज रत्न सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजपूत समाज की आन बान व शान के लिए अपना पुरा जीवन देने वाले समाज समर्पित स्वर्गीय ठाकुर साहब लोकेन्द्र सिंह कालवी की 68वी जन्मजयंती पर समाज रत्न सम्मान समारोह 27 अगस्त मंगलवार को प्रातः 11 बजे बिरला आडिटोरियम जयपुर में सम्पन्न हुआ । कालवी साहब ने अपना पुरा जीवन समाज के लिए अर्पित कर दिया। इस समारोह में अतिथि आनंद मोहन सिंह बिहार , संजय सिंह संसद राज्य सभा, दिया कुमारी उप मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार , राजेन्द्र सिंह राठौड़ पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजस्थान सरकार, हवामहल विधायक व धौलपुर पूर्व विधायक गिरिराज सिंह मलिंगा, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह , श्री राजपूत सभा अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई, मेजर जनरल आशु सिंह लाछड़ी, प्रताप सिंह, अभिमन्यु सिंह राजवी, राजपूत करनी सेना परिवार राष्ट्रीय अध्यक्ष राज सिंह शेखावत, समाजसेवी मेघराज सिंह रॉयल, समाजसेवी राजेन्द्र सिंह नरुका थे। जिनका स्वागत सत्कार प्रताप सिंह कालवी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजपूत करणी सेना ने किया। समाज रत्न सम्मान समारोह में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक, खेल, सामाजिक कार्य क्षेत्र में कार्य करने वालो का सम्मान किया गया। समारोह में एवरेस्ट विजेता दीपिका राठौड़, सांगानेर पंचायत समिति प्रधान भंवर कंवर, पार्षद गजेन्द्र सिंह चिराना, वीरेंद्र सिंह शेखावत, अजय चौहान, रणवीर सिंह राजावत, खातीपुरा व्यापार मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़ श्यामपुरा, दशरथ सिंह बरड़वा, शिव सिंह भुरटिया व शिवराज सिंह सापला, मोती सिंह सावली, दिलीप सिंह महरौली , कमोद राठौड़ व कई समाज सेवी को समाज रत्न से सम्मानित किया कार्यक्रम में उपस्थित श्री राजपूत सभा के पदाधिकारी व बहुत से पार्षद , सरपंच व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

स्पार्कल प्रिमियर लीग-10 का रंगारंग समापन

पुरुष वर्ग में सुमित ढड्ढा की क्रेजी बडीज टीम और महिला वर्ग में संगरिया स्काई वॉकर्स रही विजयी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप स्पार्कल के तत्वावधान में आयोजित स्पार्कल प्रिमीयर लीग-10 का रंगारंग समापन अजमेर रोड स्थित एक रिसोर्ट -जोनबाय द पैलेस- पर भव्य आतिशबाजी के साथ हुआ। प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनोद रवीना छाबड़ा और प्रोग्राम डायरेक्टर अर्पित नेहा जैन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वंडर सीमेंट के उपाध्यक्ष अरुण शर्मा थे वहीं प्रवीण मिश्रा, प्रमोद पहाड़िया, तरूण नाहटा, विकास मेहता, नामित बक्शी, अमित मुनोट, मोहित राणा, कमल सचेती, विवेक काला एवं प्रमोद दर्डो कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथि के रूप में मौजूदे थे। प्रोग्राम डायरेक्टर आशीष स्वीटी शाह, नितिन वंदना जैन और पुष्पेश सुरभि कांकरिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता में 15 पुरुषों की टीमों और 6 महिलाओं की टीमों ने भाग लिया। करीब 140 पुरुष और 80 महिला क्रिकेटरों ने प्रतियोगिता में अत्यंत समर्पण और उत्साह के साथ अपने खेल-कौशल को प्रदर्शने किया। स्पार्कल प्रीमियर लीग कप जीतने के लिए पुरुषों की 15 टीमों और महिलाओं की 6 टीमों ने कुले 61 मैचे खेले। पुरुष वर्ग का फाइनल मैच सुमित ढड्ढा की क्रेजी बडीज टीम ने धीरज बोराड की प्रतिद्वंद्वी टीम नियो क्लब को कड़ी शिकस्त दे जीता। वहीं महिला वर्ग का फाइनल मैच संगरिया स्काई वॉकर्स और मानवी मेहता और हर्षिता सचेती की नाकोडा यूनिफॉर्म के बीच खेला गया। संगरिया स्काई वॉकर्स ने 16 रनों से जीत दर्ज की। मानवी ने सिर्फ 41 गेंदों पर 78 रनों की अहमे पारी खेली। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में 10 साल के कई बच्चे अपनी टीमों के साथ खेलते नजरे आए। इस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष अतुल प्रेरणा रांका तथा सचिव अक्षित दिव्या शाह सहित इस इवेन्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनोद रवीना जैन, पुष्पेश सुरभि कांकरिया, आशीष स्वीटी जैन, अर्पित नेहा छजलानी, नितीन वंदना जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया इसके अलावा ग्रुप के पदाधिकारी और सदस्य भी उपस्थित येइस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष अतुल प्रेरणा रांका तथा सचिव अक्षित दिव्या शाह सहित इस इवेन्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनोद रवीना जैन, पुष्पेश सुरभि कांकरिया, आशीष स्वीटी जैन, अर्पित नेहा छजलानी, नितीन वंदना जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया इसके अलावा ग्रुप के पदाधिकारी और सदस्य भी उपस्थित थे। @ पेज 10 पर

स्पार्कल प्रिमियर लीग-10 का समापन समारोह